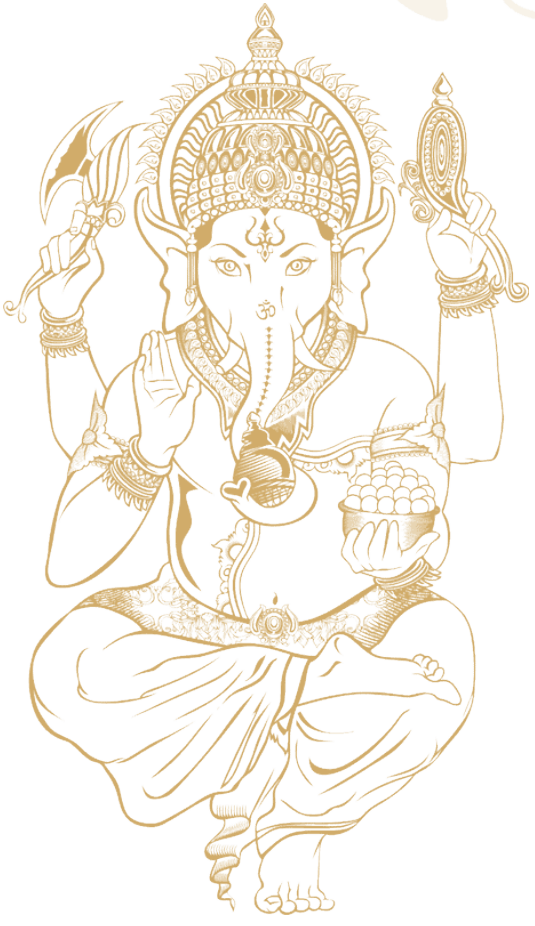

Suresh Prasad

24 Oct 1957

02:33 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121464020

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23-24/10/1957**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:33:00 घंटे**
इष्ट	50:51:43 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:24:16 घंटे
वेलान्तर	00:15:37 घंटे
साम्पातिक काल	04:32:18 घंटे
सूर्योदय	06:12:18 घंटे
सूर्यास्त	17:33:44 घंटे
दिनमान	11:21:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:55:21 तुला
लग्न के अंश	17:08:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:08:14	320:37:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			तुला	06:55:21	00:59:48	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			तुला	16:11:43	14:31:52	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	26:06:52	00:39:35	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	06:44:38	01:39:55	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	22:47:52	00:12:48	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	22:21:49	01:06:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
शनि			वृश्चि	18:20:38	00:05:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	17:14:32	00:00:02	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	17:14:32	00:00:02	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			कर्क	18:07:24	00:01:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
नेप			तुला	08:59:09	00:02:15	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
प्लूटो			सिंह	08:37:39	00:01:12	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	16:27:45	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:16:14

लग्न-चलित

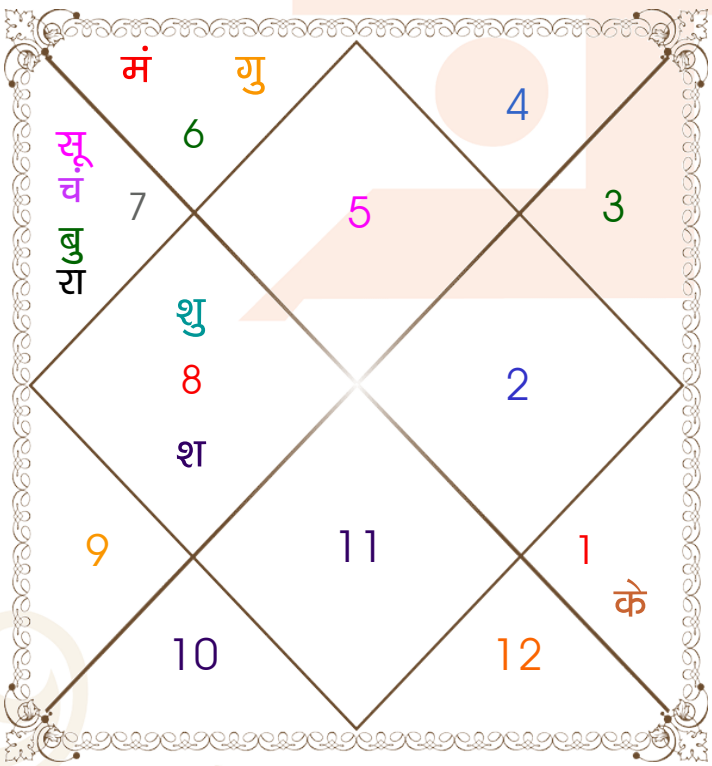

चन्द्र कुंडली

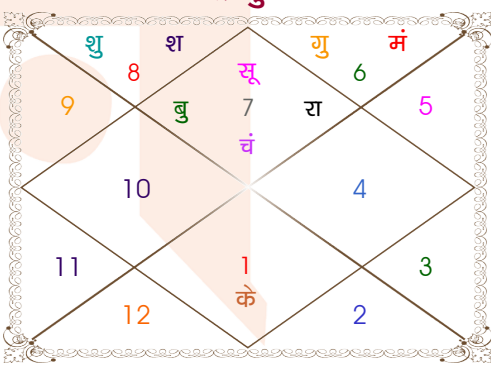

नवमांश कुंडली

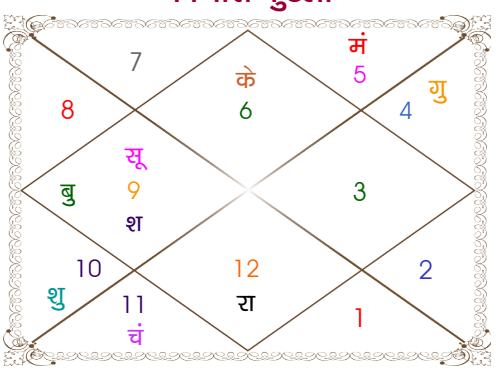

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 1 मास 19 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/10/1957		13/12/1962		13/12/1978		12/12/1997		13/12/2014	
13/12/1962		13/12/1978		12/12/1997		13/12/2014		12/12/2021	
	00/00/0000	गुरु	30/01/1965	शनि	15/12/1981	बुध	10/05/2000	केतु	11/05/2015
	00/00/0000	शनि	13/08/1967	बुध	25/08/1984	केतु	07/05/2001	शुक्र	10/07/2016
	00/00/0000	बुध	18/11/1969	केतु	03/10/1985	शुक्र	07/03/2004	सूर्य	15/11/2016
	00/00/0000	केतु	25/10/1970	शुक्र	03/12/1988	सूर्य	12/01/2005	चंद्र	16/06/2017
	24/10/1957	शुक्र	25/06/1973	सूर्य	15/11/1989	चंद्र	13/06/2006	मंगल	12/11/2017
शुक्र	02/07/1959	सूर्य	13/04/1974	चंद्र	16/06/1991	मंगल	10/06/2007	राहु	30/11/2018
सूर्य	25/05/1960	चंद्र	13/08/1975	मंगल	25/07/1992	राहु	28/12/2009	गुरु	06/11/2019
चंद्र	24/11/1961	मंगल	19/07/1976	राहु	01/06/1995	गुरु	04/04/2012	शनि	15/12/2020
मंगल	13/12/1962	राहु	13/12/1978	गुरु	12/12/1997	शनि	13/12/2014	बुध	12/12/2021

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/12/2021		12/12/2041		13/12/2047		12/12/2057		12/12/2064	
12/12/2041		13/12/2047		12/12/2057		12/12/2064		00/00/0000	
शुक्र	13/04/2025	सूर्य	01/04/2042	चंद्र	12/10/2048	मंगल	11/05/2058	राहु	25/08/2067
सूर्य	13/04/2026	चंद्र	01/10/2042	मंगल	13/05/2049	राहु	29/05/2059	गुरु	18/01/2070
चंद्र	13/12/2027	मंगल	05/02/2043	राहु	12/11/2050	गुरु	04/05/2060	शनि	24/11/2072
मंगल	11/02/2029	राहु	31/12/2043	गुरु	13/03/2052	शनि	13/06/2061	बुध	13/06/2075
राहु	12/02/2032	गुरु	18/10/2044	शनि	13/10/2053	बुध	10/06/2062	केतु	01/07/2076
गुरु	13/10/2034	शनि	30/09/2045	बुध	14/03/2055	केतु	06/11/2062	शुक्र	24/10/2077
शनि	12/12/2037	बुध	07/08/2046	केतु	13/10/2055	शुक्र	06/01/2064		00/00/0000
बुध	12/10/2040	केतु	13/12/2046	शुक्र	13/06/2057	सूर्य	13/05/2064		00/00/0000
केतु	12/12/2041	शुक्र	13/12/2047	सूर्य	12/12/2057	चंद्र	12/12/2064		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 2 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।